



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W8LS19287	ImageGroup:	I8LS19289
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	དབུ་རྒྱ་བོ་དམུལ་བའི་དཀར་ཆག་ཡིད་བཞིན་ནོར་བུ། dbu rgya bo dmyal ba'i dkar chag yid bzhin nor bu/
Author:	to-be-supplied to-be-supplied
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a
Place:	n/a
Publisher:	n/a
Date:	n/a
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor Cambridge, MA 02138.

(३) अवि। अय। वनी। गदा। कदा। यी। वज्रि। निर। ए। वे। प्र। वा। वदु। मि।

7

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१३॥७५॥३७॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

वैपावीगीपपायपाश्रीविपावसपागवृमोवीवैपायपे। गीपपा।।नप्रपुप्रमेवमे। गरीप्रपापादीवृपाववै।वउ।
वो।प्रगी।पा।वउ।पा।यपे। गी।गनग।।वृपा।ववै।वउ।वपा।प्रपा।वी।वपे। गनग।।प्रमे।वपा।प्रपा।वी।वपे।
।पपा।वृमो।पा।यपे।उ। गी।कपा।श्री।पा।पा।प्रपा।।गनग।।वी।वपे।प्रपा।।वउ।।वपे।।
वीपा।वी।वपे।वपे।।पपा।वृमो।पा।यपे।कनः। सु।होकेपा।पा।वृपा।।वउ।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।
वी।गनग।पा।पा।वृपा।वपे।वउ।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।
।वी।वी।वपे।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।
वउ।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।वपे।।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

眞

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

海

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

વંપાશ્રીઃ- આરંભાશ્રીઃકેપાકપાકાનપાપિનેપુનાભાસોભાપાવપાકપમિંગાક્રીપાક્રીઃ- યપાભક્રી
પાપાક્રીઃ- પુનાપુનાનિંગાક્રીઃભાસોભાપાવપાકપમિંગાક્રીપાક્રીઃ- યપાભક્રી
નપુનાભાસોભાપાવપાકપમિંગાક્રીપાક્રીઃ- યપાભક્રી
પાપાભક્રીઃ- યપાભક્રી
પેપાક્રીઃ- યપાભક્રી
ગાક્રીઃ- યપાભક્રી
કેપાક્રીઃ- યપાભક્રી

[illegible]

[illegible]

22

2011 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000

[illegible]

[illegible]

齊

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

卷之四

[illegible]

ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ

ੴ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ ਜੀ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ॥ ੧ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ ਜੀ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ॥ ੨ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ ਜੀ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ॥ ੩ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ ਜੀ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ॥ ੪ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ ਜੀ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ॥ ੫ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ ਜੀ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ॥ ੬ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ ਜੀ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ॥ ੭ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ ਜੀ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ॥ ੮ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ ਜੀ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ॥ ੯ ॥
ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਤੇਗ ਬਹਾਦਰ ਜੀ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ॥ ੧੦ ॥

[illegible]

[illegible]

१। ५। ७। ८। ९। १०। ११। १२। १३। १४। १५। १६। १७। १८। १९। २०। २१। २२। २३। २४। २५। २६। २७। २८। २९। ३०। ३१। ३२। ३३। ३४। ३५। ३६। ३७। ३८। ३९। ४०। ४१। ४२। ४३। ४४। ४५। ४६। ४७। ४८। ४९। ५०। ५१। ५२। ५३। ५४। ५५। ५६। ५७। ५८। ५९। ६०। ६१। ६२। ६३। ६४। ६५। ६६। ६७। ६८। ६९। ७०। ७१। ७२। ७३। ७४। ७५। ७६। ७७। ७८। ७९। ८०। ८१। ८२। ८३। ८४। ८५। ८६। ८७। ८८। ८९। ९०। ९१। ९२। ९३। ९४। ९५। ९६। ९७। ९८। ९९। १००।

[illegible]

၁၁၁။ ပုဂ္ဂိုလ်တို့သည် အဘယ်ကြောင့် ချစ်ခင်
စွာ ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။ အဘယ်ကြောင့် ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။
၁၁၂။ ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။ အဘယ်ကြောင့် ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။
၁၁၃။ ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။ အဘယ်ကြောင့် ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။
၁၁၄။ ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။ အဘယ်ကြောင့် ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။
၁၁၅။ ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။ အဘယ်ကြောင့် ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။
၁၁၆။ ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။ အဘယ်ကြောင့် ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။
၁၁၇။ ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။ အဘယ်ကြောင့် ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။
၁၁၈။ ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။ အဘယ်ကြောင့် ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။
၁၁၉။ ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။ အဘယ်ကြောင့် ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။
၁၂၀။ ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။ အဘယ်ကြောင့် ချစ်ခင်သနားကြသနည်း။

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्चनम् ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीहरिभक्त्यै नमः ॥ १० ॥
 श्रीकृष्णभक्त्यै नमः ॥ ११ ॥
 श्रीरामभक्त्यै नमः ॥ १२ ॥
 श्रीसुखाय नमः ॥ १३ ॥
 श्रीसुखभक्त्यै नमः ॥ १४ ॥
 श्रीसुखभक्त्यै नमः ॥ १५ ॥
 श्रीसुखभक्त्यै नमः ॥ १६ ॥
 श्रीसुखभक्त्यै नमः ॥ १७ ॥
 श्रीसुखभक्त्यै नमः ॥ १८ ॥
 श्रीसुखभक्त्यै नमः ॥ १९ ॥
 श्रीसुखभक्त्यै नमः ॥ २० ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिविरचितं श्रुत्वा
 भव्यं तव वचनं धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥
 समवेता संजय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

可也

[illegible]

[illegible]

卷五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

2011

ਘਰਿਨੁ ਆਇਓ

ਯੋਗਾਯੋਗਪ੍ਰਾਪਤਿ

11051919111104111101311

1111041

ਦੀ ੧੧/੧੨/੪੧

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

हानविक्रमशिरा

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

पप। ण३। ग५। वि१। ग। ण। ॥ ५। व५। ७। ३। ५।

[illegible]

||॥५॥१०॥५॥१०॥५॥१०॥५॥१०॥५॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ਗੁਰਮਤਿ ਸਿੰਘ

၂၅၁၇၁၃၈၄၁၅၁၆၁၇၁၈၁၉

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ विष्णुसहस्रनाम ॥

श्रीगणेशाय नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ਪੰਨਾ ੧੭੭

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ यन्त्र ॥ ० ॥ श्री ॥ यन्त्र ॥ ० ॥

11591441

३५।३७।१०॥ श्रीगणेशाय नमः

५५१८७१

מלכות

ਸਿਰਪਾਤ੍ਰੀ।

१५१९॥८॥

प्रीत्युपनिषत्प्राप्त

புறநாடு

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

पुनः विज्ञापितं

पक्ष १०१ गौरी

[illegible]

प्रेर। वी। न०। गे। चि। य। अ। पु।

[illegible]

၀၃၀၆၀၇၄၂၁၁၁၂

சுருதியாகிய நமசிதாய நம: ||

॥ पं० ग० क० ग० ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

शोधपत्रा १११

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

புறமுக்குடிவெய்ய

गणपत्यक्तगणपत्यु ॥

॥५॥पि॥९॥दुष्टविनाशि॥

क०।१।१।५।९।५।९।५।

(10) ॥ १५ ॥

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]